लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 23 December 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

को-कॅरिकुलर कोर्सों की सीटें फुल

लविवि : कला संकाय में बुधवार को जारी हुई सूची, बृहस्पतिवार को बताया सभी सीटें भर गईं

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में को-कॅरिकुलर कोर्सों को लेकर विद्यार्थियों की समस्याएं समाप्त होने का नाम नहीं ले रही हैं। विवि प्रशासन ने भले ही कला संकाय में को-कॅरिकुलर कोर्सों की सूची बुधवार को जारी की हो लेकिन बृहस्पतिवार को विद्यार्थी जब विभाग पहुंचे तो उन्हें सीटें फुल होने की सूचना दी गई। इसके बाद वे विभागों के चक्कर काटते रहे।

लविवि प्रशासन की ओर से को-कॅरिकुलर कोर्सों की सूची जारी करने के बाद बृहस्पतिवार को बीए व बीएससी के पहले व तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थी एमआईएच, हिंदी व कुछ अन्य विभागों में गए। वहां उन्हें बताया गया कि को-कॅरिकुलर की सीटें पहले ही फुल हो गई हैं। इसके बाद वे आइसा के अर्पित जायसवाल के साथ डीन आर्ट्स से मिलने पहुंचे लेकिन वह भी नहीं मिलीं। इसके बाद वे डीन कॉमर्स से मिले, जिन्होंने कहा कि जल्द ही इस समस्या का निराकरण होगा। छात्रों ने रजिस्ट्रार संजय मेधावी से भी मिलकर अपनी दिक्कत बताई।

एक ही दिन में कैसे भर गईं सभी सीटें

: छात्रों ने कहा कि वे जब पहले विभाग गए तब भी उन्हें प्रवेश नहीं मिला। जब विवि ने एक ही दिन पहले कोर्सों की सूची जारी की है तो इतना जल्दी सभी सीटें कैसी भर गईं? इसके बारे में विभागों से भी पूछना चाहिए कि उन्होंने किस आधार पर इसमें प्रवेश लिए हैं। वहीं इस बारे में रजिस्ट्रार संजय मेधावी ने कहा कि छात्रों ने मिलकर अपनी समस्या बताई है। शुक्रवार को इस बारे में बैठक कर तय कर दिया जाएगा कि इनकी कक्षाएं कैसे चलेंगी और शेड्यूल क्या होगा। विद्यार्थियों का प्रवेश भी सुनिश्चित कराया जाएगा।

वोकेशनल कोर्सों के लिए करना होगा इंतजार : लविवि के दूसरे-चौथे सेमेस्टर के विद्यार्थियों को वोकेशनल कोर्सों के लिए अभी इंतजार करना होगा। क्योंकि लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन अभी इन्हें अंतिम रूप नहीं दे पाया है। यही वजह है कि इनकी सूची भी अभी तक नहीं जारी की गई है। इस मामले में रजिस्ट्रार संजय मेधावी ने कहा कि अभी इसकी पढ़ाई व परीक्षा होने में समय है। लेकिन बहुत जल्द ही इनकी भी सूची जारी कर दी जाएगी।

कुलपति ने छात्रों के साथ की चाय पर चर्चा

लखनऊ। लविवि में छात्रों के विभिन्न मुद्दों को लेकर बढ़ती नाराजगी के बीच बृहस्पतिवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कैंपस का भ्रमण कर विद्यार्थियों से मुलाकात की और चाय की चुस्की संग बात भी की। कुलपति सबसे पहले डीएसडब्ल्यू कार्यालय के सामने कैंटीन गए और विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई आदि के बारे में पूछा और चाय भी पी। इसके बाद वे किशोरी कैंटीन गए, जहां उनको देखकर छात्रों में हड़कंप मच गया। हालांकि उन्होंने सभी को बैठने को कहा और बताया कि वो जांच करने नहीं आए हैं। वे उनसे बातचीत करने आए हैं। इसी क्रम में वे साइंस कैंटीन भी गए और विद्यार्थियों से बातचीत की। उनके साथ चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रॉक्टोरियल बोर्ड के डॉ. ओपी शुक्ला, डॉ. महेंद्र अग्निहोत्री आदि भी मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

कैंपस भ्रमण के दौरान कैंटीन में जाकर भी की छात्र-छात्राओं से बातचीत, जानीं समस्याएं

NBT PAGE 6

माहौल | एलयू कैंपस का माहौल खुशनुमा रखने के लिए वीसी ने किया कैंपस का दौरा

गुनगुनी धूप, चाय की चुस्की और स्टूडेंट्स से गुफ्तगू

स्टूडेंट्स की समस्याएं भी सुनीं, प्रॉक्टोरियल बोर्ड को निरीक्षण के दिए निर्देश

■एनबीटी सं, लखनऊ

सर्दी की गुनगुनी धूप, चाय की चुस्की और स्टूडेंट्स से गुफ्तगू, एलयू कैंपस में गुरुवार को कुछ ऐसा ही नजारा दिखा जब एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने कैंपस का दौरा किया। इस कवायद का मकसद कैंपस का माहौल खुशनुमा रखना था ताकि कहीं कोई हंगामा न हो और स्टूडेंट पढ़ाई पर ध्यान दे सकें। बुधवार को एलयू में विरोध प्रदर्शन और इलाहाबाद विवि में हंगामा को देखते हुए एलयू वीसी और प्रॉक्टोरियल बोर्ड अलर्ट दिखाई दिए।

एलयू वीसी प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी और प्रॉक्टोरियल बोर्ड के अधिकारियों के साथ गुरुवार को कैंपस में निरीक्षण के लिए निकले। इस दौरान वह दिव्यांग कैंटीन के पास रुक गए। वहां अशोक के पेड़ के नीचे बैठे स्टूडेंट्स के साथ उन्होंने चाय पी और बातचीत की। उनकी समस्याओं को सुना। चाय पीने के बाद वीसी पैदल ही कॉमर्स ब्लॉक की तरफ गए। वहां किशोरी कैंटीन के अंदर जाकर उन्होंने स्टूडेंट्स से उनका परिचय पूछा और पढ़ाई को लेकर उनसे जानकारी ली। इसके बाद टैगोर लाइब्रेरी से होते हुए सोशल वर्क डिपार्टमेंट के पास पहुंचे। वहां फाउंटेन के पास बैठे बच्चों से बातचीत की। इस बीच दूसरे शहरों से पढ़ने आईं कुछ छात्राओं ने हॉस्टल न मिलने की समस्या के बारे में बताया तो वीसी ने भी जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद वीसी और प्रॉक्टोरियल बोर्ड साइंस कैंटीन भी गया। वहां वीसी ने कैंटीन की व्यवस्था चेक की। इस बीच वीसी ने प्रॉक्टोरियल बोर्ड को निर्देश दिए कि स्टूडेंट्स को पढ़ाई का अच्छा माहौल देने के लिए लगातार कैंपस में निरीक्षण करते रहें। इस बीच कई स्टूडेंट्स ने वीसी के साथ फोटो भी खिंचवाई।

निरीक्षण के दौरान एलयू वीसी ने कैंटीन में स्टूडेंट्स के साथ चाय भी पी।

एलआईयू भी अलर्ट

कैंपस में लोकल इंटेलीजेंस यूनिट (एलआईयू) भी अलर्ट नजर आई। एलआईयू ने कैंपस से जानकारी जुटाई। एलयू के अलर्ट होने के पीछे का मकसद यह था कि इलाहाबाद जैसा माहौल एलयू कैंपस में न हो। इसके अलावा पुलिस भी कैंपस के आस-पास अलर्ट मोड पर दिखाई दी।

JAGRAN CITY PAGE III

कुलपति ने छात्रों संग पी काफी, कैंटीन में संवाद

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने गुरुवार को कैंपस में कैंटीनों का निरीक्षण कर वहां मौजूद छात्र-छात्राओं से बातचीत की ● सौजन्य से लवि

लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गुरुवार को कैंपस का निरीक्षण किया। सबसे पहले वह लाल बारादरी के पास बनी कैंटीन के पास पहुंचे। यहां छात्र-छात्राओं के साथ काफी पीकर बातचीत की। उसके बाद किशोरी की कैंटीन गए। यहां भी छात्रों से उनकी पढ़ाई और विभिन्न विषयों के बारे में पूछा। फिर टैगोर लान के सामने गांधी पार्क से होते हुए साइंस कैंटीन भी गए। यहां भी विद्यार्थियों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई सहित कई मुद्दों पर बात की। इस दौरान उनके साथ चीफ प्रावटर प्रो. राकेश द्विवेदी, एडिशनल प्रावटर डा. महेंद्र अग्निहोत्री, डा. ओपी शुक्ला भी मौजूद रहे।

छात्र को दी गई श्रद्धांजलि : लवि के हबीबुल्लाह छात्रावास में रहने वाले बीकाम आनर्स पावचें सेमेस्टर के छात्र अभिषेक का गुरुवार को मुंबई के हास्पिटल में निधन हो गया। एडिशनल प्रावटर डा. ओपी शुक्ला ने बताया कि छात्र को ब्रेन ट्यूमर हुआ था। उसके निधन पर छात्रावास में शाम को श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जिसमें चीफ प्रावटर सहित सभी छात्रों ने शामिल हुए।

TOI PAGE 2

Alumni to join Arts College's 3-day event

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Hundreds of former students of the College of Arts and Crafts of Lucknow University will grace the foundation day celebrations scheduled to be held on the campus on Friday, Saturday and Sunday.

The college that will complete its 111 years of existence on Sunday will witness the presence of former teachers and illustrious alumni from across the country who will be deliberating and delivering lectures on various topics related to the field of fine arts.

"Our foundation day is on December 25, but we will begin celebrations on Friday and continue it till Sunday. Around 1,000 former students and teachers have registered to be part of this celebration. Arts college and Uttar Pradesh Kala Samagam will be jointly organising the event," said a former student and president of UP Kala Samagam Sitaram Kashyap.

Padma Shri Shyam Sharma, a leading print artist from India, will deliver a special lecture on the occasion, he added.

समारोह | लखनऊ विश्वविद्यालय : तीन दिन तक होंगे आयोजन, दिनभर चला कॉलेज को सजाने-संवारने का काम

आर्ट्स कॉलेज में आज से धूमधाम से मनेगा 111वां स्थापना दिवस

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि का कला एवं शिल्प महाविद्यालय अपना 111वां स्थापना दिवस समारोह शुक्रवार से धूमधाम से मनाने जा रहा है। इसके तहत 23 से 25 दिसंबर तक कला समागम में पूर्व छात्रों की ओर से कला प्रदर्शनी, परिचर्चा आदि का आयोजन किया जाएगा। प्रतिदिन शाम को वर्तमान विद्यार्थियों की ओर से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी।

कॉलेज के पूर्व छात्रों के एसोसिएशन कला समागम के अध्यक्ष और राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष सीताराम कश्यप ने पत्रकारों को बताया कि शुक्रवार को दोपहर 12 बजे राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार इसका उद्घाटन करेंगे। जबकि 25 को समापन सत्र के मुख्य अतिथि मंत्री नरेंद्र कश्यप होंगे। उन्होंने बताया कि कला और शिल्प की लाइव प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। समापन समारोह में पुरस्कार वितरण भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कॉलेज की स्थापना अक्तूबर 1911 में हुई थी। किंतु अक्तूबर में किसी कारण से आयोजन नहीं हो सका था।

प्रेसवार्ता में उपाध्यक्ष विभाष पांडेय, सचिव गोपेंद्र वर्मा आदि मौजूद रहे। वहीं दूसरी तरफ स्थापना दिवस समारोह को लेकर कॉलेज परिसर को सजाया-संवारा भी गया है। बृहस्पतिवार देर शाम तक विद्यार्थियों द्वारा कैंपस की साफ-सफाई, मूर्तियों की रंगाई-पोताई, रंगोली बनाने आदि के काम में जुटे हुए थे। पूर्व छात्र भी उनके साथ लगे हुए थे।

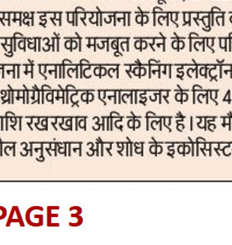

लविवि के आर्ट्स कॉलेज में चल रही स्थापना दिवस की तैयारी। -संवाद

i-NEXT PAGE 4

कुलपति ने छात्रों संग पी काफी, कैंटीन में संवाद

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने गुरुवार को कैंपस का निरीक्षण किया. सबसे पहले वह लाल बारादरी के पास बनी कैंटीन के पास पहुंचे। यहां छात्र-छात्राओं के साथ काफी पीकर बातचीत की. उसके बाद किशोरी की कैंटीन गए. यहां भी छात्रों से उनकी पढ़ाई और विभिन्न विषयों के बारे में पूछा. फिर टैगोर लान के सामने गांधी पार्क से होते हुए साइंस कैंटीन भी गए. यहां भी विद्यार्थियों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई सहित कई मुद्दों पर बात की. इस दौरान उनके साथ चीफ प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी, एडिशनल प्राक्टर डा. महेंद्र अग्निहोत्री, डा. ओपी शुक्ला भी मौजूद रहे.

PIONEER PAGE 3

कुलपति को अपने बीच पाकर खुश हुए छात्र

लखनऊ। लविवि के छात्र गुरुवार को विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को अपने बीच पाकर काफी उत्साहित दिखे। मौका था कैंटीन के निरीक्षण का। कुलपति ने छात्र के साथ बैठ कर न केवल उनसे संवाद किया बल्कि उनसे उनके लक्ष्य के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान छात्रों ने खुलकर अपने विचार कुलपति से साझा किया। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने आज परिसर में स्थित दिव्यांग कैंटीन और अन्य कैंटीन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने छात्र-छात्राओं के साथ चाय पी और उनसे विभिन्न विषयों पर चर्चा भी की। इस निरीक्षण में उनके साथ कुलानुशासक मण्डल के सदस्य भी थे।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 3

कला महाविद्यालय के 111वें स्थापना दिवस पर तीन दिवसीय कार्यक्रम आज से

लखनऊ। कला एवं शिल्प महाविद्यालय के 111वें स्थापना दिवस पर एलुमनाई छात्रों ने स्थापना वर्ष मनाने के लिए तीन दिवसीय कार्यक्रम तय किया है। पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष और राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष सीताराम कश्यप ने बताया कि महाविद्यालय के लिए बड़े गौरव की बात है कि उसने अपने 111 साल का सफर पूरा किया है। इस आयोजन के लिए राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रित किया गया था, लेकिन कुछ कार्य बीच में आ जाने के कारण उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए अपनी शुभकामनाएं भेजी हैं। उन्होंने कहा कि कला समागम में कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें कला से जुड़े लोग डिबेट करेंगे और इसके साथ ही अपने कला का प्रदर्शन करेंगे। विभाष पांडे ने कहा कि कला और शिल्प महाविद्यालय के मंच पर अगले तीन दिनों के दौरान देश-विदेश से आए कलाकार अपनी कला और शिल्प का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि पहली वार इतने बड़े स्तर पर इस कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के बिना किसी आर्थिक सहयोग के किया जा रहा है।

दिव्यांग कैंटीन पहुंचे कुलपति, छात्रा के साथ खिंचाई फोटो

लखनऊ। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने वृहस्पतिवार की दोपहर लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर स्थित दिव्यांग कैंटीन और अन्य कैटीन का निरीक्षण किया। दिव्यांग कैटीन के निरीक्षण के दौरान कुलपति आलोक कुमार राय ने दिव्यांग छात्रा सपना मौर्या के साथ फोटो भी खिंचवाई, और उससे उसकी पढ़ाई व अन्य वारे में भी जानकारी ली। अन्य कैटीन पर निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं के साथ वैठकर चाय पी और उनसे विभिन्न विषयों पर चर्चा भी की। दरअसल छात्र संगठनों की नेतागिरी से आम छात्रों को कोई मतलव नही होता है, उन्हें तो वस सिर्फ इस वात से मतलव होता है कि वह पढ़ाई कर पा रहे है, कैटीन में वैठ कर खा पी रहे है और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त है। छात्राओं ने कुलपति से इस वारे में वताया भी कि वह संतुष्ट है, उन्हें नहीं पता है कि कौन-कौन से छात्र संगठन लखनऊ विश्वविद्यालय में है और वह किन-किन गतिविधियों में लिप्त है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

एलयू की महिला टीम की सदस्य ने जीता स्वर्ण

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। एलयू की महिला टीम की सदस्य एवं चंद्र भानु गुप्ता बीएसएस महाविद्यालय में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा काजल शर्मा ने भुवनेश्वर में हो रही नॉर्थ ईस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। एलयू एथलेटिक एसोसिएशन के चेयरमैन प्रो. रूपेश कुमार ने बताया कि काजल ने यह स्वर्ण 3000 मीटर दौड़ में 10 मिनट 28 सेकंड का समय लेकर जीता। काजल अब ऑल इंडिया इंटरवर्सिटी एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगी।लखनऊ हॉस्टल की एथलीट रही काजल शर्मा राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप में कई स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 3000 मीटर स्टीपल चेस का रिकॉर्ड भी बनाया है। मौजूदा समय वह राष्ट्रीय कैंप का हिस्सा हैं। काजल की इस उपलब्धि पर एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और सी बी गुप्ता कालेज की प्राचार्य डॉ. सुधा बाजपेई ने उन्हें बधाई और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

TARUN MITRA PAGE 12

लविवि की महिला टीम ने जीता स्वर्ण पदक

लखनऊ, 22 दिसम्बर (तरुणमित्र)। लखनऊ विश्वविद्यालय की महिला टीम की सदस्य चंद्र भानु गुप्ता बीएसएस महाविद्यालय में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा काजल शर्मा ने भुवनेश्वर में हो रही नॉर्थ ईस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लिया है। लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक एसोसिएशन के चेयरमैन प्रो. रूपेश कुमार ने बताया कि काजल ने यह स्वर्ण 3000 मीटर दौड़ में 10 मिनट 28 सेकंड का समय निकालकर जीता। काजल अब ऑल इंडिया इंटरवर्सिटी एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगी। लखनऊ हॉस्टल की एथलीट रही काजल शर्मा राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप में कई स्वर्ण पदक भी जीत चुकी हैं।

VoL PAGE 4

लविवि कुलपति ने किया कैंटीन का निरीक्षण

छात्रों के साथ चाय पर की चर्चा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने परिसर में स्थित दिव्यांग कैंटीन और अन्य कैंटीन का निरीक्षण किया। वहां उन्होंने छात्र-छात्राओं के साथ चाय पी और उनसे विभिन्न विषयों पर चर्चा भी की। इस निरीक्षण में उनके साथ कुलानुशासक मण्डल के सदस्य भी थे।

बता दें कि बीते दिनों विश्वविद्यालय में मारपीट समेत छात्र संगठनों की ओर से प्रदर्शन आदि घटित हुआ है। बीते बुधवार को कई छात्र संगठनों ने चीफ प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी को हटाने की मांग की थी और करीब साढ़े तीन घंटे जमकर प्रदर्शन और नारेबाजी की थी। इस बीच कुलपति का विश्वविद्यालय की कैंटीन का निरीक्षण और छात्रों से बातचीत के कई मायने निकाले जा रहे है। सूत्रों के अनुसार अब कुलपति प्रो. राय छात्रों के बीच जाकर प्राक्टर समेत प्राक्टोरियल टीम और छात्रावासों की यथास्थिति के बारे में छात्रों से फीडबैक ले रहे है। विश्वविद्यालय को ए प्लस प्लस ग्रेड मिला है और कुलपति लगातार विश्वविद्यालय की छवि को सुदृढ़ और बेहतर बनाने का प्रयास कर रहे है।ऐसे में छात्रों का विरोध प्रदर्शन विश्वविद्यालय की छवि को धूमिल कर रहा है। विश्वविद्यालय की छवि को डेमेज कंट्रोल करने के लिए कुलपति खुद परिसर में छात्रों के बीच उतर आये है और छात्रों को हो रही दिक्कत की टोह ले रहे हैं ताकि छात्रों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और विश्वविद्यालय लगातार प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर सकें।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि भौतिकी विभाग को मिले दो करोड़

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के प्रस्ताव को डीएसटी-फिस्ट सलाहकार बोर्ड द्वारा अनुशंसित किया गया है। विभाग को पांच साल की अवधि के लिए दो करोड़ रुपए की राशि दी गई है। पिछली बार विभाग को 19 लाख रुपए की डीएसटी-एफआईएसटी सहायता वर्ष 2003-08 में मिली थी। बता दें कि लखनऊ विश्वविद्यालय ने 4 अक्टूबर, 2022 को आईआईटी मुंबई में विशेषज्ञ समिति के समक्ष इस परियोजना के लिए प्रस्तुति दी थी। विभाग को मुख्य रूप से अनुसंधान सुविधाओं को मजबूत करने के लिए परियोजना से सम्मानित किया गया है। परियोजना में एनालिटिकल स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप के लिए 14 लाख रुपए और थ्रोमोग्रैविमेट्रिक एनालाइजर के लिए 40 लाख रुपए शामिल हैं। 20 लाख रुपए की राशि रखरखाव आदि के लिए है। यह मौद्रिक सहायता विभाग में पहले से ही प्रगतिशील अनुसंधान और शोध के इकोसिस्टम को बढ़ावा देने का कार्य करेगी।

कुलपति ने किया कैंटीनों का निरीक्षण

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। कुलपति, एलयू प्रो. आलोक कुमार राय ने विवि परिसर में स्थित दिव्यांग कैंटीन सहित अन्य कैंटीनों का निरीक्षण किया। वहां उन्होंने छात्र-छात्राओं के साथ चाय पी और उनसे विभिन्न विषयों पर चर्चा भी की। इस निरीक्षण में उनके साथ कुलानुशासक मण्डल के अनेक सदस्य भी मौजूद थे।

दौड़ में काजल को मिला स्वर्ण पदक

लखनऊ। लविवि की महिला टीम की सदस्य चंद्र भानु गुप्ता बीएसएस महाविद्यालय में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा काजल शर्मा ने भुवनेश्वर में हो रही नॉर्थ-ईस्ट जोन अंतर विवि एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लिया है। लविवि एथलेटिक एसोसिएशन के चेयरमैन प्रो. रूपेश कुमार ने बताया कि काजल ने यह स्वर्ण तीन हजार मीटर दौड़ में 10 मिनट 28 सेकेंड का समय निकल कर जीता। काजल अब ऑल इंडिया इंटरवर्सिटी एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगी। लखनऊ हॉस्टल की एथलीट रही काजल शर्मा राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप में कई स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तीन हजार मीटर स्टीपल चेस का रिकॉर्ड भी बनाया है। मौजूद समय वह राष्ट्रीय कैंप का हिस्सा हैं। काजल की इस उपलब्धि पर लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और सीबी गुप्ता कालेज की प्राचार्य डॉ. सुधा बाजपेई ने उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

HINDUSTAN TIMES PAGE 3

Former LU prof, two Sangam city poets bag Sahitya Akademi Award

HT Correspondent

allahabad.htdesk@hindustantimes.com

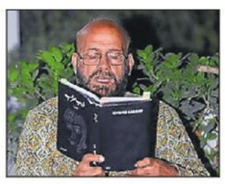

Anis Ashfaq. HT

Prof Badri Narayan. HT

Prof Janardan Prasad Pandey 'Mani'. HT

LUCKNOW/PRAYAGRAJ: Retired Lucknow University professor Anis Ashfaq has bagged the prestigious Sahitya Akademi Award 2022 for his Urdu novel, 'Khwab Saraab'. Published in 2017, this novel is about Lucknow's rich cultural and historical past and how things have decayed over a period of time. This novel was an extension of Mirza Hadi Ruswa's novel, Umrao Jaan, said the professor.

"I am extremely pleased to get this coveted award. The award is a recognition of one's writing skills and creative imagination," said Prof Ashfaq who has already penned 25 books and more than 300 articles on different literary topics. 'Khwab Saraab' has been translated into English by Arif Ansari with the title 'Dream and Mirage' and is available on Amazon.

Two noted litterateurs of Prayagraj have also bagged the coveted award for their works in Hindi and Sanskrit.

Director of Govind Ballabh Pant Social Science Institute and a noted Hindi litterateur and poet Prof Badri Narayan has been given the top award for his collection of poems 'Tumdi Ke Shabd'.

Likewise, head of Sahitya department of Central Sanskrit University's Ganga Nath Jha campus, Prof Janardan Prasad Pandey 'Mani' has been given the Sahitya Akademi Award for his poetic work 'Deep Manikayam'.

Badri Narayan is an eminent Hindi poet. Some of his famous collections of poems include "Khudai Mein Himsa", "Shabpadiyam" and "Sach Sune Kai Din".

He has been honoured with Bharat Bhushan Samman, Banarasi Prasad Bhojpuri Samman, Kedar Samman, Spandan Kirti Award, Rashtrakavi Dinkar Award, Shamsher Samman and Meera Smriti Samman. His poems have been translated into English, Bengali, Oriya, Malayalam, Urdu and many other Indian languages.

Badri Narayan expressed happiness on getting the award and hoped that his work had added to the rich literary tradition of Prayagraj. He said, "My poems depict the life struggle of a modest man. The essence of the poems is not ethical but philosophical."

Prof Janardan Prasad Pandey 'Mani' said, "I am greatly humbled by the award."

Hailing from Jaunpur district, Prof Pandey has been awarded by the President of India and also has over two dozen other awards like Kalidas Award and Panditraj Jagannath Award under his belt.

TWO NOTED LITTERATEURS OF PRAYAGRAJ HAVE ALSO BAGGED THE COVETED AWARD FOR THEIR WORKS IN HINDI AND SANSKRIT.

HINDUSTAN PAGE 6

2017 में प्रकाशित उपन्यास 'ख्वाब सराब' पर साहित्य अकादमी पुरस्कार का एलान

उर्दू की लिपि अगर बदली गई तो मर जाएगी ज़बान: डॉ. अनीस अशफ़ाक

शहर का गौरव

■संतोष वाल्मीकि

लखनऊ। साहित्य की दुनिया में लखनऊ एक बार फिर सुर्खियों में आया। इस शहर-ए-अदब के जाने-माने लेखक, समालोचक, शायर डा. अनीस अशफाक को इस साल का साहित्य अकादमी अवार्ड दिए जाने का एलान हुआ। पुराने लखनऊ के नक्खास इलाके में बंजारी टोला (बजाजा) मोहल्ले में 1953 में वह जन्मे, यहीं पले-बढ़े।

इसी शहर के जुबली कालेज में कक्षा छह से आगे की तालीम हासिल करने वाले डॉ. अशफाक ने लखनऊ विश्वविद्यालय से बीए, एमए, पीएचडी और डी.लिट् की उपाधि हासिल की। उसके बाद एलयू के उर्दू विभाग में वर्ष 1983 से 2012 तक अध्यापन किया। 16 साल उर्दू विभागध्यक्ष भी रहे। इससे पहले उन्हें साहित्य अकादमी का एक पुरस्कार वर्ष 2000 में मिला था।

जब उन्होंने वरिष्ठ हिन्दी लेखक निर्मल वर्मा के उपन्यास 'कौव्वे और कालापानी' का उर्दू में अनुवाद किया था। उन्हें भोपाल की एक संस्था ने इकबाल सम्मान से भी नवाजा। अब साहित्य अकादमी ने उन्हें उनके 2017 में प्रकाशित हुए उपन्यास 'ख्वाब सराब' पर पुरस्कार देने का एलान किया है।

अब कोचिंग नहीं चलती, उर्दू अकादमी पूरी तरह निष्क्रिय है

'हिन्दुस्तान' ने साहित्य अकादमी अवार्ड मिलने पर डा. अनीस अशफाक से कुछ मुद्दों पर बातचीत की। पेश है बातचीत के कुछ खास अंश :

■ आपको बहुत-बहुत मुबारकबाद। आज उर्दू ज़बान की जो हालत है उसे किस नज़र से देखते हैं?

■ बहुत से लोग मायूसी जताते हैं मगर मैं कतई मायूस नहीं हूं। कोई भी ज़बान हो वह तब तक जिन्दा रहती है जब तक उसके लिखने वाले, पढ़ने वाले रहते हैं। जब तक उर्दू साहित्य लिखा जाता रहेगा तब तक उर्दू क़ायम रहेगी।

■ कहा जाता है कि अगर उर्दू फारसी लिपि की बजाए देवनागरी लिपि में लिखी जाए तो ज्यादा लोगों तक पहुंचेगी ?

■ हां, एक धड़ा ऐसा है जो यह कहता है कि उर्दू का लिप्यांतर होना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो जो लोग उर्दू लिपि पढ़ना नहीं जानते वह भी उर्दू में लिखा गया साहित्य पढ़ सकेंगे। दूसरा धड़ा यह कहता है कि अगर लिपि बदल दी गई तो ज़बान मर जाएगी। मैं महान उपन्यासकार बाबू अमृत लाल नागर के घर जाता रहता था। वह मुझे अशफाक कहते थे। मैंने उनसे पूछा था कि आप लोग हिन्दी देवनागरी में नुक्ता लगाने से क्यों परहेज करते हैं, उन्होंने कहा था कि अगर हम लोगों ने नुक्ते लगाने शुरू कर दिए तो हिन्दी खत्म हो जाएगी। मेरा भी यही मानना है कि लिपि बदली गई तो उर्दू ज़बान जीते जी मर जाएगी।

■ आज के दौर में उर्दू के पठन-पाठन का सिलसिला बहुत सीमित हो गया है?

■ यह बदकिस्मती रही कि उर्दू रोजी-रोटी से नहीं जुड़ी। सिर्फ उर्दू पढ़ने वालों को नौकरी नहीं मिलती। एक दौर था जब उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी बहुत सक्रिय रहा करती थी। अकादमी की ओर से उर्दू पठन-पाठन की रात्रिकालीन कोचिंग चलती थी। पुस्तकालयों को अनुदान मिलता था, मगर अब उर्दू अकादमी पूरी तरह निष्क्रिय है।

■ उर्दू फिर से अपने पुराने दौर में लौटे इसके लिए क्या उपाय है?

■ सबसे पहले तो लोग खुद उर्दू के लिए अपनी दिलचस्पी पैदा करें और दूसरे ये कि उर्दू को सरकारी सरपरस्ती भी मिले।

■ आप समालोचक हैं। प्रो. शम्सुर्रहमान फारूकी, प्रो. गोपीचंद नारंग के बाद अब आज उर्दू समालोचना कहां ठहरी है?

■ उर्दू समालोचना बहुत ही एडवांस है और वैज्ञानिक है। चाहे वह आधुनिकता हो या उत्तर आधुनिकता का साहित्य, जितने भी ट्रेण्ड हैं वह हमारे यहां उर्दू में मिलते हैं।

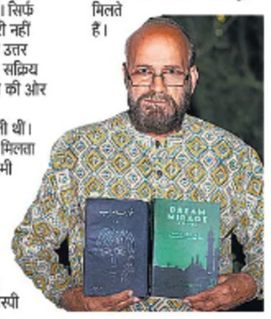

Former LU faculty passes away

Lucknow University's education department faculty Aradhana Pandey (62) passed away following a sudden cardiac arrest on Thursday. Prof Pandey was loved by her students for her polite and friendly nature. "It's shocking for me as Aradhana ji was not just a colleague but she has taught me as well," said LU faculty Dinesh Kumar. She was an expert in teaching philosophy in education and has supervised many PhDs.